Job

Chapter 37

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

אַף־	לְזֹאת	יֶחֱרַד	לִבִּי	וְיִתַּר	מִמְּקוֹמוֹ׃
भी	इस-पर	कांपता-है	हृदय-मेरा	और-उछलता-है	स्थान-अपने-से
H0637	H2063	H2729			H4725

"हे अय्यूब, जब इन बातों के विषय में मैं सोचता हूँ, मेरा हृदय बहुत जोर से धड़कता है।

2

שִׁמְעוּ	שָׁמוֹעַ	בְּרַגֶּז	קוֹלוֹ	וְהֶגֶה	מִפִּיו	יֵצֵא׃
सुनो	सुनना	गर्जना-में	आवाज़-उसकी	और-गड़गड़ाहट	मुंह-उसके-से	निकलती-है
H8085	H8085	H7267		H1899	H6310	H3318

हर कोई सुनों, परमेश्वर की वाणी बादल की गर्जन जैसी सुनाई देती है। सुनों गरजती हुई ध्वनि को जो परमेश्वर के मुख से आ रही है।

3

תָּחַת־	כָּל־	הַשָּׁמַיִם	יְשָׁרֵהוּ	וְאוֹרוֹ	עַל־	כַּנְפוֹת	הָאָרֶץ׃
नीचे	सब	आकाशों-के	भेजता-है-उसे	और-ज्योति-उसकी	पर	छोरों-के	पृथ्वी-के
H8478	H3605	H8064	H3474	H0216		H3671	H0776

परमेश्वर अपनी बिजली को सारे आकाश से होकर चमकने को भेजता है। वह सारी धरती के ऊपर चमका करती है।

4

אַחֲרָיו	יִשְׁאַג־	קוֹל	יַרְעֵם	בְּקוֹל	גְּאוֹנוֹ	וְלֹא	יַעֲקִבֵם	כִּי־	יִשָּׁמַע
उसके-पीछे	गरजती-है	आवाज़	गरजता-है	आवाज़-से	महिमा-अपनी	और-नहीं	रोकता-है-उन्हें	जब	सुनी-जाती-है
	H7580		H7481		H1347	H3808	H6117		H8085
קוֹלוֹ׃									
आवाज़-उसकी									

बिजली के कौंधने के बाद परमेश्वर की गर्जन भरी वाणी सुनी जा सकती है। परमेश्वर अपनी अद्भुत वाणी के साथ गरजता है। जब बिजली कौंधती है तब परमेश्वर की वाणी गरजती है।

5

יַרְעֵם	אֵל	בְּקוֹלוֹ	נִפְלָאוֹת	עֹשֶׂה	גְּדֹלוֹת	וְלֹא	נֵדָע׃
गरजता-है	ईश्वर	आवाज़-अपनी-से	अद्भुत	करनेवाला	बड़े-काम	और-नहीं	जानते-हैं
H7481	H0410		H6381			H3808	H3045

परमेश्वर की गरजती हुई वाणी अद्भुत है। वह ऐसे बड़े कर्म करता है, जिन्हें हम समझ नहीं पाते हैं।

6

כִּי	לַשֶּׁלֶג	יֹאמַר	הֱוֵא	אָרֶץ	וְגֶשֶׁם	מָטָר	וְגֶשֶׁם	מִטְרוֹת	עֻזּוֹ׃
कि	बर्फ़-से	कहता-है	हो	पृथ्वी-पर	और-बारिश	वर्षा	और-बारिश	वर्षाओं-की	शक्ति-उसकी
	H7950	H0559		H0776	H1653	H4306	H1653	H4306	H5797

परमेश्वर हिम से कहता है, 'तुम धरती पर गिरो' और परमेश्वर वर्षा से कहता है, 'तुम धरती पर जोर से बरसो।'

7

בְּיַד־	כָּל־	אָדָם	יַחְתֹּום	לָדַעַת	כָּל־	אַנְשֵׁי	מַעֲשֵׂהוּ׃
हाथ-में	सब	मनुष्य-के	मुहर-लगाता-है	जानने-के-लिए	सब	पुरुषों-को	कार्य-उसके
H3027	H3605	H0120	H2856	H3045	H3605	H0376	H4639

परमेश्वर ऐसा इसलिये करता है कि सभी व्यक्ति जिनको उसने बनाया है जान जाये कि वह क्या कर सकता है। वह उसका प्रमाण है।

8

וַתָּבֹא	חַיָּה	בְּמוֹ־	אָרֶב	וּבְמְעוֹנֹתֶיהָ	תִּשְׁכֹּן׃
और-जाता-है	जानवर	अपने	गुफ़ा-में	और-मांदों-अपनी-में	रहता-है
H0935		H1119	H0695	H4585	H7931

पशु अपने खोहों में भाग जाते हैं, और वहाँ ठहरे रहते हैं।

9

מִן־	הַחֶדֶר	תָּבוֹא	סוּפָה	וּמִמְּזָרִים	קָרָה׃
से	कोठरी	आता-है	तूफ़ान	और-बिखेरती-हवाओं-से	ठंड
	H2315	H0935		H4215	H7135

दक्षिण से तूफान आते हैं, और उत्तर से सर्दी आया करती है।

10

מִנִּשְׁמַת־	אֵל	יִתֵּן־	קָרַח	וְרֹחַב	מַיִם	בְּמוּצָק׃
सांस-से	ईश्वर-की	देता-है	बर्फ़	और-चौड़ाई	पानी-की	जमावट-में
H5397	H0410	H5414	H7140	H7341	H4325	H4164

परमेश्वर का श्वास बर्फ को रचता है, और सागरों को जमा देता है।

11

אַף־	בְּרִי	יַטְרִיחַ	עָב	יְפִיץ	עֲנַן	אוֹרוֹ׃
भी	नमी-से	भारी-करता-है	बादल-को	फैलाता-है	बादल-को	ज्योति-अपनी
H0637	H7377	H2959	H5645		H6051	H0216

परमेश्वर बादलों को जल से भरा करता है, और बिजली को बादल के द्वारा बिखेरता है।

12

וְהוּא	מְסִבּוֹת	מִתְהַפֵּךְ	[בתחבולתו]	(בְּתַחְבֻּלֹתָיו)	לְפָעֳלָם	כֹּל	אֲשֶׁר
और-वह	घूमती-हुई	मुड़ती-है	मार्गदर्शन-उसके-से	मार्गदर्शन-उसके-से	कार्य-उनके-लिए	सब	जो
H1931	H4524	H2015	H8458	H8458	H6467	H3605	

וְיִצַּוֵּם	עַל־	פְּנֵי	תֵבֵל	אָרְצָה׃
आदेश-देता-है-उन्हें	पर	मुख	जगत-के	पृथ्वी-पर
H6680		H6440	H8398	H0776

परमेश्वर बादलों को आने देता है कि वह उड़ कर सब कहीं धरती के ऊपर छा जाये और फिर बादल वहीं करते हैं जिसे करने का आदेश परमेश्वर ने उन्हें दिया है।

13

אִם־	לְשֵׁבֶט	אִם־	לְאַרְצוֹ	אִם־	לְחֶסֶד	יַמְצִאֵהוּ׃
यदि	दंड-के-लिए	यदि	भूमि-अपनी-के-लिए	यदि	कृपा-के-लिए	पहुंचाता-है-उसे
	H7626		H0776			H4672

परमेश्वर बाढ़ लाकर लोगों को दण्ड देने अथवा धरती को जल देकर अपना प्रेम दर्शाने के लिये बादलों को भेजता है।

14

הַאֲזִינָה	זֹּאת	אִיּוֹב	עֲמֹד	וְהִתְבּוֹנֵן	נִפְלְאוֹת	אֵל׃
कान-लगा	यह	अय्यूब	खड़ा-हो	और-समझ	अद्भुतों-को	ईश्वर-के
H0238	H2063	H0347	H5975	H0995	H6381	H0410

“अय्यूब, तू क्षण भर के लिये रुक और सुन। रुक जा और सोच उन अद्भुत कार्यो के बारे में जिन्हें परमेश्वर किया करता हैं।

15

הֲתֵדַע	בְּשׂוּם־	אֱלוֹהַּ	עֲלֵיהֶם	וְהוֹפִיעַ	אוֹר	עֲנָנוֹ׃
क्या-जानता-है-तू	रखने-में	ईश्वर-के	उन-पर	और-चमकाने-में	ज्योति	बादल-उसके-की
H3045		H0433		H3313	H0216	H6051

अय्यूब, क्या तू जानता है कि परमेश्वर बादलों पर कैसे काबू रखता है क्या तू जानता है कि परमेश्वर अपनी बिजली को क्यों चमकाता है

16

הֲתֵדַע	עַל־	מִפְלְשֵׁי־	עָב	מִפְלְאוֹת	תְּמִים	דֵּעִים׃
क्या-जानता-है-तू	पर	संतुलनों-के	बादलों-के	अद्भुतों-को	सिद्ध	ज्ञानों-में
H3045		H4657	H5645	H4652	H8549	H1843

क्या तू यह जानता है कि आकाश में बादल कैसे लटके रहते हैं। ये एक उदाहरण मात्र हैं। परमेश्वर का ज्ञान सम्पूर्ण है और ये बादल परमेश्वर की अद्भुत कृति हैं।

17

אֲשֶׁר־	בְּגָדֶיךָ	חַמִּים	בְּהַשְׁקֵט	אֶרֶץ	מִדָּרוֹם׃
जिसके	वस्त्र-तेरे	गर्म	शांत-करने-में	पृथ्वी-को	दक्षिण-से
		H2525	H8252	H0776	H1864

किन्तु अय्यूब, तुम ये बातें नहीं जानते। तुम बस इतना जानते है कि तुमको पसीना आता है और तेरे वस्त्र तुझ से चिपके रहते हैं, और सब कुछ शान्त व स्थिर रहता है, जब दक्षिण से गर्म हवा आती है।

18

תַּרְקִיעַ	עִמּוֹ	לִשְׁחָקִים	חֲזָקִים	כִּרְאִי	מוּצָק׃
फैलाएगा-क्या-तू	उसके-साथ	आकाशों-को	मज़बूत	दर्पण-की-तरह	ढले-हुए
H7554		H7834	H2389	H7209	H3332

अय्यूब, क्या तू परमेश्वर की मदद आकाश को फैलाने में और उसे झलकाये गये दर्पण की तरह चमकाने में कर सकता है

19

הוֹדִיעֵנוּ	מַה־	נֹּאמַר	לוֹ	לֹא־	נַעֲרֹךְ	מִפְּנֵי־	חֹשֶׁךְ׃
बता	क्या	कहें	उससे	नहीं	क्रम-कर-सकते-हैं	कारण	अंधकार-के
H3045	H4100	H0559		H3808		H6440	H2822

“अय्यूब, हमें बता कि हम परमेश्वर से क्या कहें। हम उससे कुछ भी कहने को सोच नहीं पाते क्योंकि हम पर्याप्त कुछ भी नहीं जानते।

20

הֲיְסֻפַּר־	לוֹ	כִּי	אֲדַבֵּר	אִם־	אָמַר	אִישׁ	כִּי	יְבֻלָּע׃
क्या-बताया-जाए	उसे	कि	बोलता-हूँ-मैं	यदि	कहे	व्यक्ति	कि	निगल-जाएगा
			H1696		H0559	H0376		H1104

क्या परमेश्वर से यह कह दिया जाये कि मैं उस के विरोध में बोलना चाहता हूँ। यह वैसे ही होगा जैसे अपना विनाश माँगना।

21

וְעַתָּה	לֹא	רָאוּ	אוֹר	בָּהִיר	הוּא	בַּשְּׁחָקִים	וְרוּחַ	עָבְרָה	וַתְּטַהֲרֵם׃
और-अब	नहीं	देखते-हैं	ज्योति-को	चमकदार	वह	आकाशों-में	और-हवा	गुज़री	और-शुद्ध-किया-उन्हें
H6258	H3808	H7200	H0216	H0925	H1931	H7834	H7307		H2891

देख, कोई भी व्यक्ति चमकते हुए सूर्य को नहीं देख सकता। जब हवा बादलों को उड़ा देती है उसके बाद वह बहुत उजला और चमचमाता हुआ होता है।

22

מִצָּפוֹן	זָהָב	יֵאָתֶה	עַל־	אֱלוֹהַּ	נוֹרָא	הוֹד׃
उत्तर-से	स्वर्णिम-आभा	आती-है	पर	ईश्वर	भयावह	वैभव
H6828	H2091	H0857		H0433	H3372	H1935

और परमेश्वर भी उसके समान है। परमेश्वर की सुनहरी महिमा चमकती है। परमेश्वर अद्भुत महिमा के साथ उत्तर से आता है।

23

שַׁדַּי	לֹא־	מְצָאנֻהוּ	שַׂגִּיא־	כֹחַ	וּמִשְׁפָּט	וְרֹב־	צְדָקָה	לֹא	יְעַנֶּה׃
सर्वशक्तिमान	नहीं	पाते-हैं-उसे	बड़ा	शक्ति-में	और-न्याय	और-बहुत	धार्मिकता	नहीं	दबाता-है
H7706	H3808	H4672	H7689		H4941	H7230	H6666	H3808	

सर्वशक्तिमान परमेश्वर सचमुच महान है, हम परमेश्वर को नहीं जान सकते परमेश्वर सदा ही लोगों के साथ न्याय और निष्पक्षता के साथ व्यवहार करता हैं।

24

לָכֵן	יִרְאוּהוּ	אֲנָשִׁים	לֹא־	יִרְאֶה	כָּל־	חַכְמֵי־	לֵב׃	פ
इसलिए	डरते-हैं-उससे	मनुष्य	नहीं	देखता-है	किसी-को	बुद्धिमानों-को	हृदय-के	—
	H3372	H0376	H3808	H7200	H3605	H2450		

इसलिए लोग परमेश्वर का आदर करते हैं, किन्तु परमेश्वर उन अभिमानी लोगों को आदर नहीं देता है जो स्वयं को बुद्धिमान समझते हैं।”